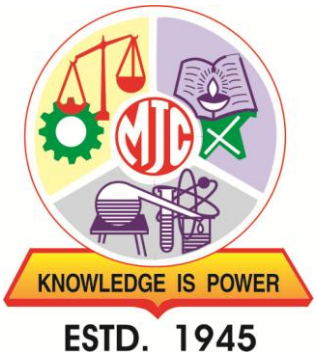

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

मूलजी जेठा .स्वशासी॰ महाविद्यालय, जलगांव

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष कला [illegible]

तृतीय सत्र और चतुर्थ सत्र [illegible]

.जून २०२० से लागू॰

CBCS Autonomous Structure for S.Y.B.A. HINDI

Semester III-IV

Semester	Core Course	Paper No	Name of Course	No. of Credits	No. of Hours per Week
III	DSC-1C	HIN. 231	उपन्यास	3	3
		HIN. 232	खंडकाव्य	3	3
	SEC -1	HIN. 230	विज्ञापन लेखन	2	2
IV	DSC-1D	HIN. 241	नाटक	3	3
		HIN. 242	लघुकथा	3	3
	SEC -2	HIN. 240	पटकथा लेखन	2	2

Syllabus Pattern for The all Courses (60:15)

Nature	Marks
External Marks	60
Internal Marks	15
Total Marks	75

द्वितीय वर्ष कला [illegible]

हिंदी प्रश्नपत्र [illegible]

तृतीय सत्र [illegible]

२३१: उपन्यास

उद्देश्य

१.छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना
२.उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना
३. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना

प्रतिफल

१.छात्र आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे
२. छात्र उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे
३. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा

श्रेयांक ३ **अंतर्गत परीक्षा** १५
पूर्णांक ७५ **सत्रांतपरीक्षा** ६०

पाठ्यक्रम			
इकाई	**सामग्री**	**अध्यापन पद्धति**	**तासिकाएँ**
इकाई १	**उपन्यास विधा का सैद्धांतिक विवेचन** १.१ हिंदी उपन्यास का स्वरूप परिभाषा १.२ उपन्यास के तत्व १.३ उपन्यास की विकास यात्रा	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक परस्पर संवादात्मक	१२
इकाई २	पुस्तक: **छप्पर .उपन्यास.** लेखक: जयप्रकाश कर्दम प्रकाशन: राहुल प्रकाशन, विश्वास नगर, दिल्ली २.१ जयप्रकाश कर्दम का व्यक्तित्व और कृतित्व	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक परस्पर संवादात्मक गुट चर्चा	१२
इकाई ३	**अध्ययनार्थ विषय** ३.१ छप्पर उपन्यास की कथावस्तु ३.२ छप्पर उपन्यास की भाषा ३.३ छप्पर में शोषण का चित्रण ३.४ छप्पर उपन्यास के पात्रों का चरित्र चित्रण ३.५ छप्पर उपन्यास में शिक्षा का महत्व ३.६ संवाद और शैली	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक परस्पर संवादात्मक	१२
इकाई ४	**उपन्यास विधा का सैद्धांतिक विवेचन** ४.१ छप्पर उपन्यास की प्रासंगिकता ४.२ छप्पर उपन्यास में चित्रित दलित चेतना ४.३ छप्पर उपन्यास में चित्रित नारी वेदना ४.४ छप्पर उपन्यास का उद्देश्य ४.५ छप्पर उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक परस्पर संवादात्मक	९

संदर्भसहायक ग्रंथ

१. शर्मा, डॉ.केशव देव:आधुनिक हिंदी उपन्यास और वर्ग संघर्ष, राधा पब्लिकेशन, दिल्ली

२. वस्कर, डॉ.आनंद:हिंदी साहित्य में दलित चेतना, विद्या प्रिंटर्स, कानपुर

३. राम, जगजीवन: भारत में जातिवाद और हरिजन समस्या, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली

४. कर्दम, डॉ.जयप्रकाश .संपा. दलित साहित्य, आतिश प्रकाशन, दिल्ली

५. त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव: उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर

द्वितीय वर्ष कला

हिंदी प्रश्नपत्र १ २

तृतीय सत्र

२३२ : खंडकाव्य

उद्देश्य

१.छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना
२.खंडकाव्य की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना
३.भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना

प्रतिफल

१. छात्र आधुनिक हिंदी काव्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे
२. छात्र खंडकाव्य के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे
३. छात्रों में भारतीय संस्कृति की समझ एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी

श्रेयांक ३ | **अंतर्गत परीक्षा** १५
पूर्णांक ७५ | **सत्रांत परीक्षा** ६०

पाठ्यक्रम			
इकाई	**सामग्री**	**अध्यापन पद्धति**	**तासिकाएँ**
इकाई १	**खंडकाव्य विधा का सैद्धांतिक परिचय** १.१ खंडकाव्य का स्वरूप १.२ खंडकाव्य की परिभाषाएं १.३ खंडकाव्य के तत्व	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	१२

	१.४ खंडकाव्य का विकास १.५ महाकाव्य और खंडकाव्य की तुलना		
इकाई २	पुस्तक: **महाप्रस्थान (खंडकाव्य)** कवि: **नरेश मेहता** प्रकाशन : **लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद** २.१ नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व २.२ महाप्रस्थान की भूमिका २.३ यात्रा पर्व २.४ स्वाहा पर्व २.५ स्वर्ग पर्व	व्याख्यानात्मक, विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा, व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	१२
इकाई ३	**अध्ययनार्थ विषय** ३.१ महाप्रस्थान का आधुनिक बोध ३.२ महाप्रस्थान में मूल्य संवर्धन ३.३ महाप्रस्थान में युद्ध चिंतन ३.४ महाप्रस्थान में मिथकीयता	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	१२
इकाई ४	४.१ महाप्रस्थान में उदात्त चरित्र दृष्टि ४.२ महाप्रस्थान की शीर्षक की सार्थकता ४.३ महाप्रस्थान की भाषा शैली ४.४ महाप्रस्थान खंडकाव्य का उद्देश्य	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	९

संदर्भसहायक ग्रंथ

१. मिश्र, डॉ.भगीरथ: भारतीय काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

२. बोहरा: आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां, जयभारती प्रकाशन, जयपुर

३. नगेंद्र: मिथक और साहित्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

५. वर्मा, डॉ.सूर्यनारायण: नई कविता पुराख्यान और समकालीन, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

६. शर्मा, डॉ.प्रभाकर: नरेश मेहता का काव्य विमर्श और मूल्यांकन, भ्रमशिल प्रकाशन, जयपुर

७. गोयल, डॉ. शिव प्रसाद: हिंदी के खंडकाव्य , चिंता प्रकाशन, कानपुर

८. शर्मा, डॉ.कविता: नरेश मेहता के खंडकाव्य, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

द्वितीय वर्ष कला [illegible]
हिंदी प्रश्नपत्र [illegible] १
तृतीय सत्र [illegible]
[illegible] २३० : विज्ञापन लेखन

उद्देश्य [illegible]

१. विज्ञापन के महत्व को समझना

२. विज्ञापन के प्रकारों का परिचय देना

३. विज्ञापन की उपादेयता पर प्रकाश डालना
४. विज्ञापन लेखन की क्षमता को विकसित कराना

प्रतिफल

१. छात्र विज्ञापन के महत्व को जानेंगे
२. छात्रों को विज्ञापन के प्रकारों का परिचय होगा
३. छात्र विज्ञापन की उपादेयता को जान पाएंगे
४. छात्रों में विज्ञापन लेखन की क्षमता विकसित होगी

श्रेयांक २ **अंतर्गत परीक्षा** १५
पूर्णांक ७५ **सत्रांत परीक्षा** ६०

पाठ्यक्रम			
इकाई	**सामग्री**	**अध्यापन पद्धति**	**तासिकाएँ**
इकाई १	१.१ विज्ञापन का अर्थ और स्वरूप १.२ विज्ञापन की परिभाषाएं १.३ विज्ञापन के प्रकार १.४ विज्ञापन की विशेषताएं १.५ विज्ञापन का महत्त्व	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक। परस्पर संवादात्मक। गुट चर्चा	१२
इकाई २	२.१ विज्ञापन का इतिहास २.२ विज्ञापन की भूमिका २.३ विज्ञापन का सामाजिक पक्ष २.४ विज्ञापन का आर्थिक पक्ष २.५ विज्ञापन और नारी २.६ विभिन्न माध्यमों में विज्ञापन	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक। परस्पर संवादात्मक। गुट चर्चा। व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	१२
इकाई ३	३.१ विज्ञापन की निर्मिति प्रकिया ३.३ हिंदी विज्ञापनों में प्रयुक्त भाषा ३.४ विज्ञापनों का मनोवैज्ञानिक पक्ष	व्याख्यानात्मक। परस्पर संवादात्मक। विश्लेषणमूलक। गुट चर्चा। व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	१२
इकाई ४	**कुछ विज्ञापनों पर लघु प्रकल्प परियोजना**	निर्देशन	९

संदर्भसहायक ग्रंथ

१ पतंजलि। डॉ. प्रेमचंद। आधुनिक विज्ञापन। तक्षशिला प्रकाशन। दिल्ली

२ भाटिया। डॉ. तारेश।आधुनिक विज्ञापन और जनसंपर्क। वाणी प्रकाशन। दिल्ली

३ मिश्र। डॉ. चंद्रप्रकाश।मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार। संजय प्रकाशन। दिल्ली

४ मिश्र, डॉ. स्मिता : भारतीय मीडिया: अंतरंग पहचान, भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली

५ देसाई, डॉ. रघुनाथ (संपा.) विज्ञापनों का मसौदा लेखन, सारंग प्रकाशन, वाराणसी

६ शिंदे, डॉ.विद्या: आधुनिक विज्ञापन और नारी, ए. बी. एस पब्लिकेशन, वाराणसी

द्वितीय वर्ष कला

हिंदी प्रश्नपत्र १

चतुर्थ सत्र

२४१: नाटक

उद्देश्य

१. छात्रों को आधुनिक हिंदी नाटक साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना
२. नाटक के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना
३. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना

प्रतिफल

१. छात्रों को आधुनिक हिंदी नाटक साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित हो पाएंगे
२. छात्रों को नाटक के तात्विक स्वरूप का ज्ञान होगा
३. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा

श्रेयांक ३ — **अंतर्गत परीक्षा** १५
पूर्णांक ७५ — **सत्रांत परीक्षा** ६०

पाठ्यक्रम			
इकाई	**सामग्री**	**अध्यापन पद्धति**	**तासिकाएँ**
इकाई १	**नाटक विधा का सैद्धांतिक विवेचन** नाटक का स्वरूप एवं परिभाषाएं १.२ नाटक के तत्व १.३ नाटक एवं एकांकी की तुलना १.४ हिंदी नाटक की विकास यात्रा	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा,	१२
इकाई २	नाटक : **एक और द्रोणाचार्य (नाटक)** लेखक: शंकर शेष प्रकाशन: रामेश्वरी प्रकाशन , नई दिल्ली २.१ डॉ शंकर शेष का व्यक्तित्व और कृतित्व	व्याख्यानात्मक, विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा, व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	१२

इकाई ३	**अध्ययनार्थ विषय** ३.१ कथावस्तु ३.२ चरित्र चित्रण ३.३ संवाद ३.४ भाषा शैली ३.५ विचार दर्शन ३.६ अभिनेयता और रंगमंच	व्याख्यानात्मक, विश्लेषणात्मक और परस्पर संवादात्मक	१२
इकाई ४	४.१ पौराणिक कथावस्तु से आधुनिक बोध ४.२ मिथकीय पात्र और समकालीन पात्रों में समानता ४.३ समकालीन शिक्षा व्यवस्था पर व्यंग्य ४.४ प्रस्तुत नाटक का उद्देश्य	व्याख्यानात्मक, विश्लेषणात्मक और परस्पर संवादात्मक	९

संदर्भसहायक ग्रंथ

१ गौतम, डॉ.सुरेश, गौतम.डॉ. वीणा: राजपथ से जनपद नट शिल्पी शंकर शेष,नालंदा प्रकाशन, दिल्ली

२ भारती, विनय .संपा.: समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, भाषा प्रकाशन , दिल्ली

३ जैन, नेमीचंद्र: आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, दी मैकेनिकल कंपनी ऑफ इंडिया लि. दिल्ली

४ गौतम.डॉ. वीणा: आधुनिक हिंदी नाटकों में मध्यम वर्गीय चेतना, संजय प्रकाशन, अशोक विहार दिल्ली

५ पंड्या, डॉ. जसवंत भाई :शंकर शेष के नाटकों का रंग शिल्प, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर

६ कटारा, डॉ.उषा: शंकर शेष का नाटक साहित्य, शिवा पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर, उदयपुर

७ डॉ. नगेंद्र:आधुनिक हिंदी नाटक, साहित्य रत्न भंडार, आगरा

द्वितीय वर्ष कला

हिंदी प्रश्नपत्र

चतुर्थ सत्र

२४२ : लघुकथा

उद्देश्य

१. छात्रों को लघुकथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना
२. लघुकथा के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना
३. लघुकथा के अध्ययन द्वारा छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना

प्रतिफल

१. छात्र लघुकथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे
२. छात्रों को लघुकथा के तात्विक स्वरूप का ज्ञान मिलेगा
३. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा

श्रेयांक ३ अंतर्गत परीक्षा १५
पूर्णांक ७५ सत्रांत परीक्षा ६०

पाठ्यक्रम			
इकाई	सामग्री	अध्यापन पद्धति	तासिकाएँ
इकाई १	१.१ लघुकथा का स्वरूप- शब्दार्थ- कोशगत अर्थ- १.२ लघुकथा की परिभाषा- १.३ लघुकथा की विशेषताएँ- १.४ लघुकथा : उदभव और विकास- १.५ लघुकथा और कहानी	व्याख्यानात्मक और परस्पर संवादात्मक	०८
इकाई २	पुस्तक: **हिंदी की प्रतिनिधि लघुकथाएँ** संपादक : **डॉ.रामकुमार घोटड** प्रकाशन: **नमन प्रकाशन- नई दिल्ली** १.एक टोकरी भर मिट्टी :माधवराव सप्रे २. कलावती की शिक्षा:जयशंकर प्रसाद ३. बड़ा क्या है :पं.हजारीप्रसाद द्विवेदी ४ राष्ट्र का सेवक :मुंशी प्रेमचंद ५. गिलट: उपेन्द्रनाथ अश्क ६.शौचालय: विनोबा भावे ७. बीज बनने की राह :रामधारीसिंह दिनकर ८. आटा और सीमेंट:रामनारायण उपाध्याय ९. अपना: पराया: हरिशंकर परसाई १०. भिकारी और चोर:रावि	व्याख्यानात्मक- विश्लेषणमूलक- गुटचर्चा और परस्पर संवादात्मक	१२
इकाई ३	११.कुल्हाड़ा और कलकी - पूरन मुदगल १२.आग्रह - सतीश राठी १३ आम आदमी - शंकर पुणतांबेकर १४. इंसानियत : चित्तरंजन भारती १५. ईद मुबारक - डॉ. किशोर काबरा १६. किसान : कमलेश भारती १७. दुर्घटना - मनीष राय १८. मंहगाई भत्ता - उषा महेश्वरी १९. रिश्ता - चित्रा मुद्गल २०. निर्णायक कदम - पुष्पलता कश्यप	व्याख्यानात्मक- विश्लेषणमूलक- गुटचर्चा और परस्पर संवादात्मक	१२
इकाई ४	**अध्ययनार्थ विषय** ४.१ तत्त्वों के आधार पर समीक्षा ४.२ चरित्र -चित्रण की दृष्टि ४.३ सामाजिकता ४ ४.वर्गगत चेतना	व्याख्यानात्मक- विश्लेषणमूलक- गुटचर्चा और परस्पर संवादात्मक	१३

	४.५ आधुनिक बोध ४.६ पारिवारिक मूल्य ४.७ व्यंग्यात्मकता ४.८ मूल्य संवर्धन और मूल्य विघटन की दशा ४.९ राजनीतिक बोध ४.१० भाषा-शैली		

संदर्भसहायक ग्रंथ

१. कलशेट्टी, डॉ. महादेव काशीनाथ : हिंदी लघुकथाओं में व्यंग्य, शुभम पब्लिकेशन, कानपूर
२. दुबे, डॉ.सतीश: आठवें दशक की लघुकथाएँ, समता प्रकाशन, इंदौर
३. शर्मा, रमेशकुमार: हिंदी लघुकथा : स्वरूप एवं इतिहास, दीनमान प्रकाशन, दिल्ली
४. पुणतांबेकर, डॉ.शंकर: श्रेष्ठ लघुकथाएँ, पुस्तक संस्थान, कानपूर
५. श्रीवास्तव, डॉ.परमानंद: हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
६. मधुरेश: हिंदी कहानी का विकास, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद
७. शर्मा, डॉ.ब्रह्मस्वरूप: हिंदी कहानी की विकास यात्रा, मनु प्रकाशन, नई दिल्ली

द्वितीय वर्ष कला [illegible]

हिंदी प्रश्नपत्र [illegible] २०

चतुर्थ सत्र [illegible]

[illegible] २४० : पटकथा लेखन

उद्देश्य [illegible]

१. पटकथा लेखन के महत्व को समझना
२. पटकथा लेखन के प्रकारों का परिचय देना
३. पटकथा लेखन की उपादेयता पर प्रकाश डालना
४. पटकथा लेखन की क्षमता को विकसित कराना

प्रतिफल [illegible]

१. छात्र पटकथा लेखन के महत्व से परिचित होंगे
२. छात्र पटकथा लेखन की उपादेयता को जानेंगे
३. छात्रों में पटकथा लेखन की क्षमता विकसित हो सकेगी

श्रेयांक [illegible] ३ — **अंतर्गत परीक्षा** [illegible] १५
पूर्णांक [illegible] ७५ — **सत्रांत परीक्षा** [illegible] ६०

पाठ्यक्रम [illegible]			
इकाई [illegible]	**सामग्री** [illegible]	**अध्यापन पद्धति** [illegible]	**तासिकाएँ** [illegible]

इकाई १	१.१ पटकथा लेखन का स्वरूप १.२ पटकथा का अर्थ एवं परिभाषाएं १.३ पटकथा के तत्व . चरण १.४ पटकथा लेखन की विशेषताएं	व्याख्यानात्मक और परस्पर संवादात्मक	१२
इकाई २	२.१ पटकथा लेखन की शैलियां २.१.१ कल्पनावादी २.१.२ यथार्थवादी २.२ पटकथा लेखन की विधियां पद्धतियां २.२.१ क्रमबद्ध पद्धति २.२.२ स्थापित पद्धति २.३ हिंदी के प्रमुख पटकथा लेखकों का संक्षिप्त परिचय	व्याख्यानात्मक॰ विश्लेषणमूलक॰ गुटचर्चा और परस्पर संवादात्मक	१२
इकाई ३	३.१ पटकथा लेखक के गुण ३.२ पटकथा लेखन और फ़ीचर लेखन में अंतर ३.३ पटकथा लेखन का महत्व ३.४ पटकथा लेखन का उददेश्य	व्याख्यानात्मक॰ विश्लेषणमूलक॰ गुटचर्चा और परस्पर संवादात्मक	१२
इकाई ४	४.१ चयनित पटकथाओं का अध्ययन ४.१.१ मुंगेरीलाल के हसीन सपने ४.१.२ हम लोग ४.२ लघु प्रकल्प परियोजना	व्याख्यानात्मक॰ विश्लेषणमूलक॰ गुटचर्चा और परस्पर संवादात्मक	९

संदर्भसहायक ग्रंथ

१॰ रंजन॰ प्रभात॰ टेलीविजन लेखन॰ राधाकृष्ण प्रकाशन॰ नई दिल्ली
२. जोशी॰ मनोहर श्याम ॰पटकथा लेखन एक परिचय॰ राजकमल प्रकाशन॰ नई दिल्ली
३. पांडेय॰ राजेंद्र॰ पटकथा कैसे लिखें॰ वाणी प्रकाशन॰ नई दिल्ली
४. मिश्र॰ चंद्र प्रकाश॰ मीडिया लेखन सिद्धांत एवं व्यवहार॰ संजय प्रकाशन॰ दिल्ली
५. मिश्र॰ डॉ स्मिता॰ भारतीय मीडिया अंतरंग पहचान॰ भारत पुस्तक भंडार॰ दिल्ली
६. भंडारी॰ मन्नू ॰ कथा॰ पटकथा॰ वाणी प्रकाशन॰ नई दिल्ली
७. पांडे॰ हुबनाथ॰ कथा॰ पटकथा॰ संवाद॰ अनभै प्रकाशन॰ मुंबई
८. राठौर॰ उमेश ॰पटकथा लेखन॰ फीचर फिल्म॰ तक्षशिला प्रकाशन॰ नई दिल्ली
९. वजाहत॰ असगर॰ पटकथा लेखन व्यवहारिक निर्देशिका॰ राजकमल प्रकाशन॰ नई दिल्ली

डॉ.रोशनी पवार॰
विभागाध्यक्ष॰ हिंदी विभाग॰ एवं
अध्यक्ष॰ हिंदी अध्ययन मंडल॰
मूलजी जेठा महाविद्यालय,